कैदी और कोकिला (माखनलाल चतुर्वेदी)

पाठ का परिचय

राष्ट्रभक्त कवियों में माखनलाल चतुर्वेदी का मूर्धन्य स्थान है। स्वतंत्रता-आंदोलन में इनका महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। पाठ के रूप में संकलित प्रस्तुत कविता 'कैदी और कोकिला' ब्रितानी उपनिवेशवाद के शोषण-तंत्र का अत्यंत सूक्ष्म विश्लेषण करती बहुत प्रसिद्ध कविता है। इस कविता में भारतीय स्वतंत्रता-सेनानियों के साथ जेल में किए गए क्रूरतापूर्ण व्यवहारों का साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है। जेल में बंद एकाकी और उदास कवि कोकिल से अपने दुःख, असंतोष और ब्रितानी शासन के विरुद्ध अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए उससे मधुर गीत गाने के स्थान पर देशभक्ति और मानवता से परिपूर्ण मुक्तिगीत गाने के लिए कहता है। कवि यह अनुभव करता है कि कोकिल संपूर्ण देश को एक कारागार के रूप में देखती है और यहाँ का प्रत्येक प्राणी उसमें बंद पड़ा अपनी मुक्ति के लिए छटपटा रहा है। कोकिल भी संभवतः कारागाररूपी उस व्यवस्था से मुक्ति चाहती है, इसीलिए तो वह अर्द्धरात्रि में चीख-चीखकर अपनी व्यथा को व्यक्त कर रही है।

कविताओं का भावार्थ

कैदी और कोकिला

1. **क्या गाती हो.....................कोकिल बोलो तो!**

भावार्थ—कवि कहता है—हे कोयल! तुम इस काली आधी रात में क्या गा रही हो? क्या तुम्हारे हृदय में कोई गंभीर बात है, जो तुम कहना चाहती हो और किसी कारण से कह नहीं पा रही हो। तुम कुछ कहते-कहते अचानक चुप हो जाती हो, आखिर वह दुविधा क्या है? जो तुम्हारे कंठ तक आती बात को कहने से तुम्हें रोक देती है। क्या तुम मेरे लिए कोई प्रेरणा लाई हो? अथवा मुझे कोई संदेश देना चाहती हो? मेरे हृदय में तुम किस प्रकार के भावों को भरना चाहती हो? मेरे लिए यह प्रेरणा का संदेश किसका है और कहाँ से लेकर तुम मेरे पास आई हो? हे कोयल! तुम अपनी बात मुझसे स्पष्टतः कहो।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. ऊँची काली दीवारों ………………… जगी क्यूँ आली?

भावार्थ—कवि कोयल को संबोधित करते हुए कहता है—मैं यहाँ कारागार की ऊँची, गंदी, सीलनभरी काली दीवारों के बीच कैद हूँ। ऊँची दीवारों के बीच घना काला अँधेरा है। यहाँ चोर, डाकू, बटमार आदि दुष्प्रवृत्ति वालों के बीच मुझे दिन गुज़ारने पड़ रहे हैं। उनके साथ जीवन बिताना कितना कष्टप्रद है, किंतु विवशता के कारण उनके साथ जीना पड़ रहा है। यहाँ जीवन-निर्वाह के लिए पेटभर भोजन तक नहीं मिलता। यहाँ चाहकर भी मर नहीं सकते, यही यहाँ की सबसे बड़ी विडंबना है। बस, मन में एक तड़प लिए ऐसा नारकीय जीवन हमें विवश होकर कष्ट सहन करते हुए जीना पड़ रहा है। हम स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर रहे कैदियों के जीवन पर दिन-रात कड़ा पहरा रहता है। हमारी दिनचर्या को, एक-एक कार्य को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। कुछ भी करने की हमें स्वतंत्रता नहीं है। सरकारी गुप्तचर और सिपाही हमारी निगरानी के लिए हर समय हमारे आगे-पीछे लगे रहते हैं। वास्तव में यहाँ शासन-व्यवस्था नहीं, वरन् घोर अन्याय चल रहा है। चारों ओर मानो अंधकार का ही साम्राज्य है। चंद्रमा भी अब शीतलता प्रदान करने हेतु आकाश में नहीं दिखता। रात घनी और अँधेरी है अर्थात् आशा और प्रेरणा के सभी मार्ग मानो बंद हो चुके हैं। हे मेरी सखी कोयल! इन निराशा भरे क्षणों में तू क्यों जाग रही है और स्वयं जागकर औरों को क्यों जगा रही है?

3. क्यों हूक पड़ी ………………… कोकिल बोलो तो!

भावार्थ—कवि कोयल से कहता है—हे कोयल! तुम्हारे कंठ से वेदना के स्वर वाली ऐसी गहरी साँस क्यों निकल पड़ी है? तुमने ऐसा क्या देख लिया कि तुमने गहरी हूक छोड़ी है? क्या तुम्हारा कुछ लुट गया है? तुम्हारा कंठ इतना कोमल और मधुर है, मानो तुम्हें ईश्वर ने संसार की हर कोमल वैभव-संपदा की रक्षा का दायित्व सौंप रखा हो। अब तुम बताओ कि तुम्हारे इस मीठे सुर में इतनी वेदना कैसे आ गई?

4. क्या हुई बावली ………………… कोकिल बोलो तो!

भावार्थ—कवि कोयल से पूछता है—हे कोकिल! तुम आधी रात के समय इस तरह क्यों चीख रही हो? क्या तुम पागल हो गई हो? क्या तुमने जंगल में लगी किसी आग को देख लिया है, जिसकी लपटों के जाल को देखकर तुम डरकर अचानक चीख पड़ी हो?

5. क्या?—देख न सकती ………………… कोकिल बोलो तो!

भावार्थ—कवि कोयल से कहता है—हे कोकिल! क्या तू रात्रि में असमय क्रंदन इसलिए कर रही है कि तुझे हमारी ये हथकड़ियाँ पसंद नहीं हैं? यदि तू इन्हें बंधन की शृंखला समझकर दुःखी हो रही है तो तू यह समझ ले कि ये हमारे बंधन की ज़ंजीरें नहीं हैं, ये तो ब्रिटिश-राज द्वारा प्रदत्त आभूषण हैं। इन्हें तो हमने सहर्ष धारण किया है। ये तो हम स्वाधीनता के दीवानों के गहने हैं, सिंगार हैं। ये तो हमारा गौरव बढ़ा रहे हैं। कारागार के इन सींखचों के भीतर रहने का निर्णय तो हमारा ही है। हमारे लिए जेल के कोल्हू की 'चर्रक चूँ' की ध्वनि जीवन-संगीत बन चुकी है। हमें उसमें आनंद आने लगा है। हम जेल में दंडस्वरूप कंकड़-पत्थर तोड़-पीटकर अपने दम पर आज़ादी का गीत अपने हाथों से लिख रहे हैं। जिस प्रकार कठोर पत्थर को हम पीट-पीटकर टुकड़े करके रख देते हैं, उसी प्रकार ब्रिटिश-राज को भी हम एक दिन छिन्न-भिन्न करके रख देंगे। मैं अपने पेट पर जुआ बाँधकर चरसा खींच रहा हूँ। इस क्रिया से मैं धीरे-धीरे, किंतु अनवरत रूप से ब्रिटिश-राज के दंभरूपी कुएँ को खाली किए दे रहा हूँ; अर्थात् मैं कष्ट सहन करके, यातनाओं के आगे पराजय न स्वीकार करके उनकी अकड़ ठंडी किए दे रहा हूँ। हे कोकिल! तू रात की इस निस्तब्धता को चीरकर जो अपना मधुर स्वर हमें सुनाने आई है, उसके पीछे तेरी क्या मंशा है, अब यह मेरी समझ में भली प्रकार से आ गया है। तू जानती है कि दिन का समय घोर यातना, संघर्ष और कठोर परिश्रम में मुझे बिताना पड़ता है। उस समय तेरी यह मधुर-ध्वनि हम सुन नहीं पाते, इसलिए वह निष्फल हो जाती है। तेरी करुणा को भी हम ग्रहण नहीं कर पाते। उस कठिन समय में असीम साहस की आवश्यकता होती है। अब मैं समझा कि तू रात में हमारे परिश्रम से उभर आए घावों पर मरहम लगाने आई है। हे कोकिल! अपने मुख से बोलकर स्पष्ट करो कि जो मैं सोच रहा हूँ, क्या तुम भी वही सोच रही हो? तुम रात्रि के इस नीरव एकांत में रुदन क्यों कर रही हो? क्यों चीख रही हो? क्यों तुम अपनी मधुर आवाज़ से हमारे हृदयों में विद्रोह का बीज बो रही हो? क्या तुम हमें विद्रोह की प्रेरणा देने के लिए चीख रही हो? कोकिल, बोलो तो!

6. काली तू, रजनी ………………… कोकिल बोलो तो!

भावार्थ—कवि कोयल को संबोधित करते हुए कहता है—हे कोकिल! तेरा रंग काला है। आज की रात भी काली है। इधर ब्रिटिश शासन की करतूतें भी काली हैं अर्थात् घोर अन्यायपूर्ण व्यवहार है। कारागार में मैं चोर-डकैतों के बीच रह रहा हूँ, इसलिए मेरे मन में उन्हीं के समान भयंकर कल्पनाओं और भावनाओं की काली तरंगें उठ रही हैं। मेरी काल कोठरी, जिसमें कि मैं बंद किया गया हूँ, वह भी अंधकारमयी अर्थात् काली है। ओढ़ने के लिए मुझे दिया गया कंबल काला है और पहनने को दी गई टोपी भी काली है। मुझे बाँधकर रखने वाली लोहे की ज़ंजीरें भी काले रंग की हैं। इस काले, अंधकारमय, अन्यायपूर्ण वातावरण में रात के समय पहरेदार की हुंकार मुझे सर्पिणी के समान डसने वाली लगने लगती है। इस सारे अन्याय के साथ-साथ मुझे कारागृह के सिपाहियों की गाली-गलौज भी सुननी पड़ती है। जीवन किसी भी प्रकार से शांत नहीं है।

हे सखी कोयल! कारागार के इस अशांत, संकटपूर्ण समुद्र में तुम मरने की ठानकर क्यों चली आई हो? तुम्हारा स्वर मधुर है। तुम सबको प्रसन्न करने की सोचकर मस्त होकर गा रही हो, परंतु सच यह है कि यहाँ तुम्हारे प्राणों की भी कोई सुरक्षा नहीं है। तुम पर भी पल-पल संकट के बादल मँडरा रहे हैं। तुम अपने प्रकाश से भरे, आशा और उत्साह से भरे, प्रेरणादायी गीतों को इस अँधेरी रात में और वह भी कारागार में गाकर यहाँ के निरुत्साही वातावरण में तैराकर व्यर्थ क्यों कर रही हो? मुझे तुम स्पष्टतया अपने मुख से बोलकर बताओ।

7. तुझे मिली हरियाली ………………… कोकिल बोलो तो!

भावार्थ—कवि कोयल से कहता है—हे कोकिल! तू भाग्यशाली है कि तुझे बैठने के लिए हरियाली से भरी हुई डालियाँ प्राप्त हैं। मुझे तो अँधेरी कोठरी में घुट-घुटकर जीना पड़ रहा है। तुझे उड़ते फिरने के लिए असीमित नभ मिला है और मुझे इस बंदीगृह की दस फुट की सीमित कोठरी। मैं अपने बंदीगृह से बाहर निकलकर घूम भी नहीं सकता हूँ। तू गाती है तो लोग प्रशंसा में वाह-वाह करते हैं और मेरा रोना भी किसी को नहीं सुहाता। लोग मेरी वेदना सुनना भी नहीं चाहते हैं। मेरी और तेरी परिस्थिति में भारी अंतर है। तू स्वतंत्र है और मैं परतंत्र कैदी। इतना सब जानकर भी तू युद्ध का संगीत छेड़ रही है। हे कोकिल! तू ही बता, तेरी इस हूक पर मैं

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

क्या करूँ? मेरी विवशता को तू अच्छी तरह पहचान तो रही है। जरा सोच, मैं कर भी क्या सकता हूँ? हाँ, तेरी प्रेरणा से मैं कारागार में बैठे-बैठे अपनी ओजपूर्ण कविताएँ तो रच ही रहा हूँ। मैं इसके अतिरिक्त क्या करूँ? मोहन अर्थात् मोहनदास करमचंद गांधी (गांधीजी) के स्वतंत्रता के दृढ़-संकल्प को पूरा करने के लिए मैं अपनी प्राण-शक्ति किस दिशा में लगाऊँ। हे कोकिल! तुम ही मेरा मार्गदर्शन करो, मुझे बताओ, बोलो तो।

भाग-1

बहुविकल्पीय प्रश्न

काव्यांशों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

(1) ऊँची काली दीवारों के घेरे में,
डाकू, चोरों, बटमारों के डेरे में,
जीने को देते नहीं पेट-भर खाना,
मरने भी देते नहीं, तड़प रह जाना!
जीवन पर अब दिन-रात कड़ा पहरा है,
शासन है, या तम का प्रभाव गहरा है?
हिमकर निराश कर चला रात भी काली,
इस समय कालिमामयी जगी क्यूँ आली?

1. ऊँची काली दीवारों का घेरा क्या है–
(क) कवि का घर (ख) एक किला
(ग) कारागार (घ) इनमें से कोई नहीं।

2. कवि को कारागार में किसके बीच दिन काटने पड़ रहे हैं–
(क) चोरों के (ख) डाकुओं के
(ग) राहजनी करने वालों के (घ) इन सभी के।

3. कवि मरना क्यों चाहता है–
(क) वह जीवन से दुःखी है
(ख) उसे मरने में आनंद आएगा
(ग) वह ब्रिटिश शासन द्वारा किए जाने वाले अपमान से दुःखी है
(घ) उपर्युक्त सभी कारण।

4. कवि के जीवन पर किसका कड़ा पहरा है–
(क) चौकीदार का (ख) अंग्रेज़ी शासन का
(ग) चोरों का (घ) डाकुओं का।

5. 'हिमकर' का अर्थ है–
(क) सूर्य (ख) चंद्रमा
(ग) तारे (घ) रात्रि।

उत्तर– 1. (ग) **2.** (घ) **3.** (ग) **4.** (ख) **5.** (ख)।

(2) क्या?–देख न सकती ज़ंजीरों का गहना?
हथकड़ियाँ क्यों? यह ब्रिटिश-राज का गहना,
कोल्हू का चर्रक चूँ?– जीवन की तान,
गिट्टी पर अँगुलियों ने लिखे गान!
हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जूआ,
खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कूँआ।
दिन में करुणा क्यों जगे, रुलाने वाली,
इसलिए रात में गजब ढा रही आली?
इस शांत समय में,
अंधकार को बेध, रो रही क्यों हो?
कोकिल बोलो तो!
चुपचाप, मधुर विद्रोह–बीज
इस भाँति बो रही क्यों हो?
कोकिल बोलो तो।

1. कवि किस कारण कारागार में बंदी बना दिया–
(क) कविता लिखने के कारण
(ख) चोरी करने के कारण
(ग) स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के कारण
(घ) उपर्युक्त सभी कारणों से।

2. कवि को कारागार में क्या यातनाएँ दी गईं–
(क) हथकड़ियों में जकड़ा गया
(ख) मोट खिंचवाया गया
(ग) पत्थर तुड़वाए गए
(घ) उपर्युक्त सभी।

3. कवि जंजीरों को क्या मानता है–
(क) फूल-मालाएँ (ख) ब्रिटिश-राज का गहना
(ग) एक अच्छा पुरस्कार (घ) इनमें से कोई नहीं।

4. कोयल चुपचाप क्या कर रही है–
(क) कवि को देख रही है
(ख) कोई संदेश दे रही है
(ग) अंग्रेज़ों के विरुद्ध विद्रोह-बीज बो रही है।
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

5. 'कोल्हू का चरक चूँ' को कवि ने क्या माना है–
(क) जीवन का गीत (ख) जीवन की तान
(ग) जीवन का आनंद (घ) जीवन का संदेश।

उत्तर– 1. (ग) **2.** (घ) **3.** (ख) **4.** (ग) **5.** (ख)।

(3) काली तू , रजनी भी काली,
शासन की करनी भी काली,
काली लहर कल्पना काली,
मेरी काल-कोठरी काली,
टोपी काली, कमली काली,
मेरी लौह-शृंखला काली,
पहरे की हुंकृति की ब्याली,
तिस पर है गाली, ऐ आली!
इस काले संकट-सागर पर
मरने की, मदमाती!
कोकिल बोलो तो!
अपने चमकीले गीतों को
क्योंकर हो तैराती!
कोकिल बोलो तो!

1. पद्यांश में किस विशेषण शब्द की बार-बार आवृत्ति हुई है–
(क) काली (ख) नीली
(ग) पीली (घ) लाल।

2. कौन-सी चीज़ें काली हैं–
(क) कोयल, रजनी, शासन की करनी
(ख) लहर, कल्पना, काल-कोठरी
(ग) टोपी, कमली, लौह-शृंखला
(घ) उपर्युक्त सभी चीज़ें।

3. पहरेदार की हुंकार को कवि ने क्या कहा है–
(क) गाली (ख) ब्याली
(ग) सिंहनी (घ) मछली।

4. कोयल और कवि के मध्य है–
(क) समानता (ख) विषमता
(ग) प्रतिस्पर्द्धा (घ) इनमें कोई नहीं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. 'मोहन' कौन है–
(क) श्रीकृष्ण (ख) एक कवि
(ग) मोहनदास करमचंद गांधी (घ) मदनमोहन मालवीय।

उत्तर– **1.** (घ) **2.** (ग) **3.** (ग) **4.** (ख) **5.** (ग)।

पाठ पर आधारित प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर विकल्प चुनकर लिखिए–*

1. **कविता में कौन कोयल से प्रश्न पूछता है–**
(क) एक बालक (ख) एक यात्री
(ग) कवि (घ) सिपाही।

2. **कवि को जेल में किसके साथ रखा गया है–**
(क) मित्रों के (ख) राजनेताओं के
(ग) चोरों और बटमारों के (घ) सज्जन व्यक्तियों के।

3. **कवि को जेल में किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा–**
(क) चोरों-लुटेरों के साथ रहना पड़ा
(ख) पेटभर भोजन नहीं मिला
(ग) अँधेरे में रहना पड़ा
(घ) उपर्युक्त सभी।

4. **कवि को कोयल का स्वर किसका स्वर लगा–**
(क) बच्चे का (ख) स्त्री का
(ग) भारत माता का (घ) गायक का।

5. **कोयल के कूकने की कवि ने क्या संभावना बताई–**
(क) उसे किसी ने लूट लिया है
(ख) वह बावली हो गई है
(ग) उसे दावानल की लपटें दिखाई दे गई हैं
(घ) उपर्युक्त सभी।

6. **कवि ने तम के प्रभाव से किसकी तुलना की है–**
(क) काली कोयल की (ख) काले कंबल की
(ग) अंग्रेज़ी शासन की (घ) अँधेरी रात की।

7. **हथकड़ियों को क्या कहा गया है–**
(क) चूड़ियाँ (ख) फूल मालाएँ
(ग) ब्रिटिश राज का गहना (घ) इनमें से कोई नहीं।

8. **दावानल की ज्वाला से कवि का क्या आशय है–**
(क) वन की आग
(ख) समुद्र की आग
(ग) अंग्रेज़ी शासन का अत्याचार
(घ) सामान्य अग्नि।

9. **'मृदुल वैभव की रखवाली-सी' किसे कहा है–**
(क) भारत माता को (ख) अंग्रेज़ी सरकार को
(ग) कोयल को (घ) इनमें से किसी को नहीं।

10. **कवि ने किसका कुआँ खाली किया–**
(क) किसान का (ख) जमींदार का
(ग) ब्रिटिश अकड़ का (घ) अपने गाँव का।

11. **कोयल की आवाज़ में कवि को क्या अनुभव होता है–**
(क) प्रेम का (ख) सुख का
(ग) दुःख का (घ) ग्लानि का।

12. **कवि को कोयल से ईर्ष्या क्यों है–**
(क) कोयल की आवाज़ मधुर है (ख) कोयल सुंदर है
(ग) कोयल स्वतंत्र है (घ) कोयल काली है।

13. **कोयल को क्या मिला है–**
(क) हरियाली डाली (ख) नभ में उड़ने की स्वतंत्रता
(ग) गीतों पर लोगों की प्रशंसा (घ) ये सभी।

14. **कवि ने कोयल के कूकने की तुलना किससे की है–**
(क) कैदियों की चीख से
(ख) क्रांतिकारियों के जयघोष से
(ग) पहरेदार की आवाज़ से
(घ) क्रांति के आह्वान से।

15. **कवि को कुछ भी करने की स्वतंत्रता कहाँ नहीं मिली–**
(क) घर में (ख) कार्यालय में
(ग) कारागृह में (घ) जंगल में।

16. **कोयल चुपचाप क्या कर रही है–**
(क) कवि को देख रही है
(ख) विद्रोह के बीज़ बो रही है
(ग) गीत सुन रही है
(घ) अंग्रेज़ों का अत्याचार देख रही है।

17. **कोयल अपने गीतों से क्या संदेश दे रही है–**
(क) खुशी के गीत गाने का
(ख) चैन की बंशी बजाने का
(ग) स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने का
(घ) अपनी स्थिति पर दुःखी होने का।

18. **कवि के स्मृति-पटल पर क्या अंकित है–**
(क) कोयल के मधुर गीत (ख) अंग्रेज़ों के अत्याचार
(ग) घर की सुखद बातें (घ) मित्रों के तीखे व्यंग्य।

19. **कविता में 'काली' विशेषण किसके साथ प्रयुक्त हुआ है–**
(क) रजनी के साथ
(ख) शासन की करनी के साथ
(ग) काल कोठरी के साथ
(घ) उपर्युक्त सभी के साथ।

20. **अंग्रेज़ी शासनकाल में किसने सहर्ष कारागार में जाना स्वीकार किया–**
(क) आतंकवादियों ने (ख) क्रांतिकारियों ने
(ग) नेताओं ने (घ) कलाकारों ने।

उत्तर– **1.** (ग) **2.** (ग) **3.** (घ) **4.** (ग) **5.** (घ) **6.** (ग) **7.** (ग) **8.** (ग) **9.** (ग) **10.** (ग) **11.** (ख) **12.** (ग) **13.** (घ) **14.** (घ) **15.** (ग) **16.** (ख) **17.** (ग) **18.** (क) **19.** (घ) **20.** (ख)।

भाग-2

वर्णनात्मक प्रश्न

काव्य-बोध परखने हेतु प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–*

प्रश्न 1 : कवि कविता के प्रारंभ में कोयल से क्या प्रश्न पूछता है?
उत्तर : कवि कोयल से कई प्रश्न पूछता है; जैसे–क्या गाती हो? क्यों रह-रह जाती हो? किसका संदेशा लाई हो?

प्रश्न 2 : कवि को जेल में किनके साथ रखा जा रहा है?
उत्तर : कवि को जेल में डाकुओं, चोरों और बटमारों के साथ रखा जा रहा है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 3 : कोयल की कूक सुनकर कवि की क्या प्रतिक्रिया थी?

उत्तर : कोयल की कूक सुनकर कवि को लगा कि वह मानो उससे कुछ कहने को व्याकुल है। कोयल या तो उसे निरंतर संघर्षरत रहने की प्रेरणा देना चाहती है या फिर उसकी यातनाओं के दर्द में सहानुभूति दिखाना चाहती है। उसने कोयल से पूछा कि हे कोयल! तू क्या गाती है? क्यों बार-बार आती जाती है? क्या तू किसी का कोई संदेश लाई है, जो मुझे देना चाहती है? आखिर तेरा इस समय कूकने का उद्देश्य क्या है?

प्रश्न 4 : कवि ने कोकिल के बोलने के किन कारणों की संभावना बताई?

उत्तर : कवि ने कोकिल के स्वर के पीछे अनेक कारणों की संभावना व्यक्त की है; जैसे–

(i) शायद उसे किसी ने लूट लिया है।

(ii) शायद उसने कहीं आग की लपटें देख ली हैं।

(iii) शायद वह बावली हो गई है।

(iv) शायद वह कवि को जेल में दी जाने वाली यातनाएँ नहीं देख सकती।

(v) शायद वह कवि के मन में अंग्रेज़ों के प्रति विद्रोह का बीज़ बोना चाहती है।

प्रश्न 5 : किस शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है और क्यों?

उत्तर : ब्रिटिश शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है; क्योंकि ब्रिटिश शासकों ने निरपराध भारतीयों पर घोर अत्याचार किए। उन्होंने भारतीय स्वाधीनता-सेनानियों को कारागार में तरह-तरह की अमानवीय यातनाएँ दीं। उन्हें कोल्हू में बैल की जगह जोता गया।

प्रश्न 6 : कविता के आधार पर पराधीन भारत की जेलों में दी जाने वाली यातनाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर : पराधीन भारत की जेलों में कैदियों को अमानवीय यातनाएँ दी जाती थीं। राजनैतिक बंदियों को भी चोरों, लुटेरों, बटमारों के साथ रखा जाता था। रहने के लिए उन्हें मात्र दस फुट की कोठरी ही उपलब्ध थी। कोठरी में घोर अँधेरा रहता था। खाने के लिए कैदियों को पेटभर भोजन भी नहीं दिया जाता था। उन्हें हथकड़ियों से जकड़कर कैद रखा जाता था। उनसे पशुवत् व्यवहार किया जाता था। यहाँ तक कि उन्हें कोल्हू में बैल की तरह जोत दिया जाता था।

प्रश्न 7 : अर्द्धरात्रि में कोयल की चीख से कवि को क्या अंदेशा है?

उत्तर : कोयल के अर्द्धरात्रि में चीख पड़ने से कवि को अंदेशा है कि कोयल शायद कैदियों पर दिनभर ढाए जाने वाले अत्याचारों से द्रवित होकर चीखी है। दिनभर तो वह ज़ब्त किए रही, परंतु रात को उसके मुख से चीख निकल ही गई।

प्रश्न 8 : कवि को कोयल से ईर्ष्या क्यों हो रही है?

उत्तर : कवि को कोयल से ईर्ष्या इसलिए हो रही है; क्योंकि कोयल स्वतंत्र है और कवि परतंत्र। कोयल हरियाली में रह रही है और कवि को दस फुट की अँधेरी कोठरी में रहना पड़ रहा है। कोयल को उड़ने को स्वतंत्र आकाश है, परंतु कवि काल-कोठरी में हथकड़ियों में जकड़ा हुआ है। कोयल के गान को वाहवाही मिलती है और कवि का रुदन कोई नहीं सुनता।

प्रश्न 9 : हथकड़ियों को गहना क्यों कहा गया है?

उत्तर : 'गहना' वे आभूषण हैं, जिनको पहनने से धारण करने वाला स्वयं को गौरवान्वित अनुभव करता है, उसका सौंदर्य बढ़ता है। पंडित माखनलाल चतुर्वेदी एक देशभक्त, क्रांतिकारी कवि थे। उन्होंने स्वतंत्रता-प्राप्ति के लिए संघर्ष का मार्ग स्वयं अपनाया था, इसलिए जेल में घोर यातनाएँ झेलकर भी उनका मनोबल कभी नहीं टूटा। जेल को उन्होंने अपना प्रिय आवास और हथकड़ियों को गहनों-सा आदर दिया। स्वतंत्रता के महान उद्देश्य के लिए उन्होंने हथकड़ियों को सहर्ष धारण किया। उन हथकड़ियों को धारण करने से उनका गौरव बढ़ा। समाज में उन्हीं हथकड़ियों के कारण उन्हें सम्मान और प्रतिष्ठा भी मिली। इसलिए उन्होंने हथकड़ियों को 'गहना' कहा है।

प्रश्न 10 : कवि के स्मृति-पटल पर कोयल के गीतों की कौन-सी मधुर स्मृतियाँ अंकित हैं, जिन्हें अब वह नष्ट करने पर तुली है?

उत्तर : कवि के स्मृति-पटल पर कोयल के गीतों की वे मधुर यादें अंकित हैं, जब वह आज़ाद था। उस समय वसंत ऋतु में आम की डाली पर बैठकर जब कोयल मधुर गीत सुनाती थी तो वह आनंदित हो जाता था। आज वह जेल में बंद है और अनेक यातनाएँ भोग रहा है। ऐसे दुःखद समय में उसे कोयल के गीत अच्छे नहीं लगेंगे और उसकी वह पहली सुंदर छवि उसके मन से समाप्त हो जाएगी।

प्रश्न 11 : 'मृदुल वैभव की रखवाली-सी, कोकिल बोलो तो!'–पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : **भाव-स्पष्टीकरण**–कवि के अनुसार यों तो संसार में कष्ट-ही-कष्ट हैं। यदि कहीं कुछ कोमलता और मृदुता शेष है तो वह कोयल की मधुर तान में ही है; अतः कोयल ही एकमात्र मृदुलता की रखवाली करने वाली है। संसार की संपूर्ण कोमल भावनाएँ और कल्पनाएँ वही जीवित रख सकती है; अतः कवि उससे पूछता रहता है कि आखिर वह जेल में अपना मधुर स्वर गुँजाकर उससे क्या कहना चाहती है।

प्रश्न 12 : 'हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जूआ, खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कूँआ'–पंक्ति का क्या भाव है?

उत्तर : **भाव-स्पष्टीकरण**–इस पंक्ति में देश की स्वतंत्रता के लिए जेल की असहनीय यातनाओं को भी स्वाभिमानपूर्वक झेलने का गर्व कवि में झलक रहा है। वह कहता है कि वह अपने पेट पर जूआ बाँधकर चरसा खींच रहा है; अर्थात् उससे पशुओं-सा व्यवहार किया जा रहा है। फिर भी उसे कोई भय या निराशा नहीं है। वह पराजय स्वीकार नहीं कर सकता। ब्रिटिश सरकार के घमंड या अकड़ का कुँआ वह इस प्रकार खाली किए दे रहा है। वह उन्हें समझा देगा कि अत्याचार से हम हार नहीं मानेंगे।

प्रश्न 13 : आपके विचार से स्वतंत्रता-सेनानियों और अपराधियों के साथ एक-सा व्यवहार क्यों किया जाता होगा?

उत्तर : ब्रिटिश सरकार भारत की स्वतंत्रता की आग को बुझा देना चाहती थी। स्वतंत्रता-आंदोलन के विरोध में वह स्वतंत्रता-सेनानियों एवं क्रांतिकारियों को पकड़कर, जेल में कैद करके उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से पीड़ित करती थी। वह आज़ादी के लिए संघर्ष करने वाले क्रांतिकारियों को मानसिक और शारीरिक रूप से परास्त करने के लिए अपराधी प्रवृत्ति के चोरों, डकैतों, बटमारों आदि के साथ ही उन्हें बंद करती थी और उन्हीं के साथ रहने को विवश करती। इसीलिए स्वतंत्रता-सेनानियों और अपराधियों के साथ एक-सा व्यवहार किया जाता होगा।

प्रश्न 14 : कवि को कारागार में किनके बीच दिन काटने पड़ रहे हैं?

उत्तर : कवि को कारागार में चोरों, डाकुओं और राहजनी करने वालों के बीच दिन काटने पड़ रहे हैं। ब्रिटिश सरकार की यह नीति थी कि वह स्वतंत्रता सेनानियों को गिरफ़्तार करने के बाद जेल में डाकू-लुटेरों के बीच रखती थी, ताकि उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा सके।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 15 : कवि की कारागार की कठिनाइयों का वर्णन कीजिए।

उत्तर : कवि को कारागार में चोरों और डाकुओं के मध्य रहना पड़ा। उसे वहाँ पेटभर खाने को भी नहीं दिया जाता था। यदि वह अनशन करके प्राण त्यागना चाहता था तो उसे जबरन खाना खिलाया जाता था। इस प्रकार उसे मरने भी नहीं दिया जाता था। उसके ऊपर कड़ा पहरा था। पहरेदार द्वारा उसे गालियाँ देकर संबोधित किया जाता था।

प्रश्न 16 : कवि को क्यों लगा कि प्रकृति उस पर क्षुब्ध है?

उत्तर : ज़ेल में कवि के साथ अमानवीय व्यवहार तो हो ही रहा है, उस पर प्रकृति भी क्षुब्ध है। रात बहुत घनी अँधेरी और काली है। चंद्रमा थोड़ा प्रकाश देकर शांति प्रदान कर सकता था, लेकिन आज वह भी नहीं है। इस प्रकार उस पर प्रकृति का भी प्रकोप है।

प्रश्न 17 : 'मृदुल वैभव की रखवाली-सी' में किसे संबोधित किया गया है?

उत्तर : 'मृदुल वैभव की रखवाली-सी' कहकर कवि ने कोयल को संबोधित किया है। उन्होंने कोयल को ऐसा इसलिए कहा है, क्योंकि वह अपने कोमल कंठ से माधुर्य और सरसता की रक्षा करती है। अपनी बोली में वह संसार भर के लिए मिठास बचाकर रखती है।

प्रश्न 18 : कवि ने कोयल को बावली क्यों कहा है?

उत्तर : कवि ने कोयल को बावली इसलिए कहा है; क्योंकि वह आधी रात के समय कारागार के आस-पास कूक रही थी, जबकि रात्रि का समय प्रत्येक प्राणी का आराम का समय होता है। अगर कोई आधी रात को शोर मचाने लगे तो यही कहा जाता है कि उसका मनःस्थिति ठीक नहीं है, इसलिए कारागार के वातावरण में कोयल का इस प्रकार कूकना सर्वथा अस्वाभाविक था। कोयल के इस प्रकार के अस्वाभाविक आचरण के कारण ही कवि ने उसे बावली या पगली कहा है?

प्रश्न 19 : कवि को कारागार में क्या यातनाएँ दी गईं?

उत्तर : कवि को कारागार में घोर यातनाएँ झेलनी पड़ीं। उसे हथकड़ियों में जकड़ दिया गया। उसे कोल्हू चलाने के लिए बैलों की जगह जोता गया। उससे पत्थर तुड़वाए गए। उसे गालियाँ खानी पड़ीं। इस प्रकार उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया।

प्रश्न 20 : हथकड़ियों को कवि ने ब्रिटिश-राज का गहना क्यों कहा है?

उत्तर : कवि की स्वाधीनता-आंदोलन में सक्रिय भागीदारी प्रमाणित होने पर उसे कारागार (जेल) में बंद किया गया था, परंतु वह उसे अपना सौभाग्य मानता है। कवि को गर्व है कि उसे देशहित में संघर्ष करने का यह फल मिला कि ब्रिटिश सरकार ने उसे हथकड़ियाँ पहनाकर जेल में बंद कर दिया। देश के हित में हथकड़ियाँ पहनने को इसीलिए वह श्रृंगार (गहना) मानता है, सज़ा नहीं।

प्रश्न 21 : कवि ने ब्रिटिश अकड़ का कुआँ कैसे खाली किया?

उत्तर : ब्रिटिश सरकार के अधिकारियों ने स्वाधीनता-संग्राम के सेनानी-कवि को घोर यातनाएँ दीं। यहाँ तक कि उससे पशुवत् व्यवहार किया गया। कोल्हू चलाने के लिए बैल की जगह उसे जोता गया। किंतु कवि ने इन सब यातनाओं को भी चुपचाप झेल लिया। इससे अंग्रेज़ों का घमंड चूर हो गया। उनकी अकड़ ढीली पड़ गई। इस प्रकार चरस के द्वारा पानी खींचकर मानो ब्रिटिश अकड़ का कुआँ ही खाली कर रहा है।

प्रश्न 22 : 'काली' विशेषण किन-किन अर्थों में प्रयुक्त हुआ है?

उत्तर : 'काली' विशेषण का प्रयोग कवि ने निम्नलिखित अर्थों में किया है–

(i) **काला रंग**–कोयल का रंग, रजनी का रंग तथा टोपी, कंबल और ज़ंजीर का रंग।

(ii) **अन्याय**–शासन की करनी, संकट-सागर।

(iii) **भयानक**–काली लहर, काली कल्पना, काली काल-कोठरी।

(iv) **बंधन की पीड़ा**–शृंखला काली।

प्रश्न 23 : कोकिल और कवि की स्थिति में क्या अंतर है?

उत्तर : कोकिल और कवि की स्थिति में जमीन-आसमान का-सा अंतर है। कवि कारागार की कोठरी में बंद है और कोयल को उड़ने के लिए खुला आकाश उपलब्ध है। कोयल को बसेरा करने के लिए हरियाली डाली प्राप्त है और कवि को रहने के लिए मात्र दस-फुट की अँधेरी कोठरी। कोयल के गीतों की सभी प्रशंसा करते हैं, परंतु कवि की आह और वेदना को कोई सुनना भी नहीं चाहता।

अभ्यास प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर-विकल्प चुनकर लिखिए–*

ऊँची काली दीवारों के घेरे में,
डाकू, चोरों, बटमारों के डेरे में,
जीने को देते नहीं पेट-भर खाना,
मरने भी देते नहीं, तड़प रह जाना!
जीवन पर अब दिन-रात कड़ा पहरा है,
शासन है, या तम का प्रभाव गहरा है?
हिमकर निराश कर चला रात भी काली,
इस समय कालिमामयी जगी क्यूँ आली?

1. ऊँची काली दीवारों का घेरा क्या है–

(क) कवि का घर (ख) एक किला
(ग) कारागार (घ) इनमें से कोई नहीं।

2. कवि को कारागार में किसके बीच दिन काटने पड़ रहे हैं–

(क) चोरों के (ख) डाकुओं के
(ग) राहजनी करने वालों के (घ) इन सभी के।

3. कवि मरना क्यों चाहता है–

(क) वह जीवन से दुःखी है
(ख) उसे मरने में आनंद आएगा
(ग) वह ब्रिटिश शासन द्वारा किए जाने वाले अपमान से दुःखी है
(घ) उपर्युक्त सभी कारण।

4. कवि के जीवन पर किसका कड़ा पहरा है–

(क) चौकीदार का
(ख) अंग्रेज़ी शासन का
(ग) चोरों का
(घ) डाकुओं का।

5. 'हिमकर' का अर्थ है–

(क) सूर्य (ख) चंद्रमा
(ग) तारे (घ) रात्रि।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

निर्देश–दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–

6. **कवि को जेल में किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा–**
   (क) चोरों-लुटेरों के साथ रहना पड़ा
   (ख) पेटभर भोजन नहीं मिला
   (ग) अँधेरे में रहना पड़ा
   (घ) उपर्युक्त सभी।

7. **कवि ने तम के प्रभाव से किसकी तुलना की है–**
   (क) काली कोयल की (ख) काले कंबल की
   (ग) अंग्रेज़ी शासन की (घ) अँधेरी रात की।

8. **'मृदुल वैभव की रखवाली-सी' किसे कहा है–**
   (क) भारत माता को (ख) अंग्रेज़ी सरकार को
   (ग) कोयल को (घ) इनमें से किसी को नहीं।

निर्देश–दिए गए प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए–

9. **कवि ने कोकिल के बोलने के किन कारणों की संभावना बताई?**
10. **कविता के आधार पर पराधीन भारत की जेलों में दी जाने वाली यातनाओं का वर्णन कीजिए।**
11. **अद्धर्रात्रि में कोयल की चीख से कवि को क्या अंदेशा है?**
12. **कवि के स्मृति-पटल पर कोयल के गीतों की कौन-सी मधुर स्मृतियाँ अंकित हैं, जिन्हें अब वह नष्ट करने पर तुली है?**

●

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in